

PAPER-III
COMPARATIVE LITERATURE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
(Name) _____
2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No.

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

D 7 2 1 1

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

COMPARATIVE LITERATURE

तुलनात्मक साहित्य

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. In the development of Comparative Literature, the contribution of the French Comparatists.
तुलनात्मक साहित्य के विकास में फ्रांसीसी तुलनावादी अध्ययनकर्ताओं का योगदान ।

OR / अथवा

The Artist as an Alien in the Modern World.
आधुनिक विश्व में बाहरी व्यक्ति (एलिएन) के रूप में कलाकार ।

SECTION – II

खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, each to be answered in about **three hundred (300)** words.. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Explain the notion of World Literature.
विश्व साहित्य (वर्ल्ड लिटरेचर) की धारणा की व्याख्या कीजिए ।
4. Consider the contribution of Modern Linguists to Translation Studies.
अनुवाद-अध्ययनों में आधुनिक भाषावैज्ञानिकों के योगदान पर विचार कीजिए ।
5. Comment on the relationship between Literature and Psychology.
साहित्य तथा मनोविज्ञान के बीच संबंध पर टिप्पणी कीजिए ।

SECTION - III

खण्ड - III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What does Brecht mean by 'Counter design' ?
प्रति-रूपरेखा (काउण्टर डिजाइन) से ब्रेख्त का क्या अभिप्राय है ?

10. Write a note on 'Stylization'.
शैलीकरण (स्टाइलाइजेशन) पर एक टिप्पणी लिखिए ।

12. What does Ulrich Weisstein mean by the term 'epoch' ?
‘इपोक’ पद से उल्रिख वाइसस्टाइन का क्या तात्पर्य है ?

13. Write a note on Homi Bhabha's theory of 'Ambivalence'.
होमी भाभा के सिद्धांत उभयभावितता (एम्बीवेलेंस) पर टिप्पणी लिखिए ।

14. Comment on G. E. Lessing's "Laocoon".

जी.ई. लेसिंग द्वारा लिखित "लाओकून" शीर्षक निबंध पर एक टिप्पणी लिखिए ।

SECTION – IV

खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

India has been a multilingual country right from the beginning. This linguistic multiplicity resulted in a wonderfully rich and varied literary heritage. Various literary schools and centres have flourished here in all ages. Modern Indian literatures have drawn their inspiration, themes and forms from two well-defined traditions, i.e. Sanskrit-Pali-Prakṛt on the one hand, and foreign literatures on the other. Earlier it received influences from Arabic-Persian sources. Because of historical reasons, however, the impact of English literature has been most pronounced. The indigenous and foreign influences have variously shaped the sensibility and work of Indian writers of this century. This dual structure is a significant feature of modern Indian literature. Influences coming from diverse sources have been at times so well assimilated that the distinctive Indian flavour is not always easy to discover and the resultant work comes to have an organic unity which is more conceptual and inward than mechanical.

Of classical Indian works, the *Rāmāyana*, the *Mahābhārata* and the Jātaka tales have proved to be inexhaustible treasure houses of themes, motifs, forms and traditions. It is interesting to see how the two great Indian poets Kālidāsa and Aśvaghosa, drawing many common ideas, expressions and conventions from the common source, i.e. Valmiki, differ from each other chiefly on account of their Brahmanical and Buddhist leanings, respectively. To cite another example, Valmiki's verses inspired Kalidasa to compose his *Meghadūta*, which in turn served as a model to a whole tradition of 'messenger poems' (*dūta-kāvya*s). It will be of considerable value to undertake in-depth studies of modern Indian works which have made use of themes, myths, motifs, characters and expressions supplied by earlier masters. Some of such themes and characters include figures like Urvaśi, Nachiketa,

Karna, Rama, Sita and others and incidents like those of the golden deer (*Kaṅcanamṛga*), the killing of the *Krauñca* bird (*krauñcavadha*) and so on.

भारत आरम्भ से ही एक बहुभाषी देश रहा है । इस भाषायी बहुलता के कारण इसे एक अति-सम्पन्न एवं वैविध्यपूर्ण साहित्यिक विरासत प्राप्त हुई । प्रत्येक युग में यहाँ साहित्यिक संप्रदाय तथा केंद्र विकसित हुए और फले-फूले । आधुनिक भारतीय साहित्यों को प्रेरणा, विषय तथा विधाएँ दो परम्पराओं से प्राप्त हुए – एक ओर संस्कृत-पालि-प्राकृत से और दूसरी ओर विदेशी साहित्यों से । इस पर प्रारंभ में अरबी-फारसी स्रोतों से प्रभाव आया । तथापि, ऐतिहासिक कारणों से, अंगरेजी साहित्य का प्रभाव प्रबल रूप से दृष्टिगोचर होता है । देशीय तथा विदेशी प्रभाव ने इस शताब्दी में भारतीय लेखकों की संवेदनशीलता तथा कृतियों को नाना रूप से गढ़ा । यह द्वैध संरचना आधुनिक भारतीय साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण लक्षण है । विविध स्रोतों से आने वाले प्रभावों का कभी-कभी इस प्रकार से आत्मसातीकरण हुआ है कि विशिष्ट भारतीय पुट को खोज पाना बहुधा कठिन हो जाता है और सृजित रचना आंतरिक अन्वितियुक्त बन जाती है जो यांत्रिक होने की अपेक्षा भावात्मक तथः अंतःस्थ बन जाती है ।

यह एक सिद्ध तथ्य है कि भारतीय शास्त्रीय कृतियों में से रामायण, महाभारत, तथा जातक कथाएँ विषय, कथानक-रूढ़ियों, विधाओं तथा परम्पराओं को प्राप्त करने के लिए अक्षय स्रोत हैं । यह देखना कौतूहलपूर्ण होगा कि अनेक समान धारणाओं, अभिव्यक्तियों तथा परम्पराओं को समान स्रोत – अर्थात् वाल्मीकि – से लेने वाले कालिदास तथा अश्वघोष जैसे दो महान् कवि – मुख्यतः क्रमशः अपनी हिन्दूवादी और बुद्धवादी अभिनति के कारण – किस प्रकार एक-दूसरे से भिन्न हैं । इस संबंध में एक अन्य उदाहरण दिया जा सकता है : कालिदास को मेघदूत लिखने की प्रेरणा वाल्मीकि से मिली और यह कृति (मेघदूत) दूत-काव्य की समग्र परम्परा के लिए आदर्श-नमूना (मॉडेल) बनी । पहले के निष्णात लेखकों द्वारा प्रदत्त विषयों, मिथकों, कथानक रूढ़ियों, पात्रों तथा अभिव्यक्तियों का प्रयोग करने वाली आधुनिक भारतीय कृतियों का गहन अध्ययन करना अति महत्त्वपूर्ण है । ऐसे विषयों तथा पात्रों में ऊर्वशी, नचिकेता, कर्ण, राम, सीता आदि तथा ऐसे घटना-प्रसंगों में कंचनमृग, क्रौंचवध आदि का नामोल्लेख किया जा सकता है ।

15. What are the advantages of India being a multi-lingual country ?

एक बहुभाषी देश होने से भारत को क्या लाभ है ?

18. What kind of studies can be undertaken on modern Indian works ?

आधुनिक भारतीय कृतियों पर किस प्रकार का अध्ययन संचालित किया जा सकता है ?

19. Account for the invisibility of Indian flavour in Indian Literature.

भारतीय साहित्य में भारतीय-पुट की अदृष्टता के बारे में बतलाइये ।

Space For Rough Work

| FOR OFFICE USE ONLY | |
|----------------------------|----------------|
| Marks Obtained | |
| Question Number | Marks Obtained |
| 1 | |
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date